अस्मिन् प्रश्नपत्रे 35 प्रश्नाः एवं 8 मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्न-पत्र में 35 प्रश्न तथा 8 मुद्रित पृष्ठ हैं।

अनुक्रमाङ्कः
रोल नं०

गूढसंख्या **65/S/A**
कोड नं०
स्तवकः/ सेट **A**

संस्कृतसाहित्यम्
संस्कृत साहित्य
(248)

परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च .....
(परीक्षा का दिन व दिनांक)

निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम्
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)

1. .....

2. .....

सामान्या निर्देशाः —

1. अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।
2. निरीक्ष्यतां यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।
3. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।
4. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।
5. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।
6. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या 65/S/A, स्तवक [A] नूनं लेख्या।
7. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

सामान्य निर्देश :

1. प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

2. प्रश्न-पत्र को जाँच लें कि प्रश्न-पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के प्रारम्भ में छपी है और प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में चार विकल्पों (क), (ख), (ग) तथा (घ) में से सही उत्तर चुनकर उत्तर-पत्र में लिखना है।

4. सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखना है।

5. उत्तर-पत्र में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी लिखना सर्वथा वर्जित है।

6. अपने उत्तर-पत्र में प्रश्न-पत्र का कोड नं० 65/S/A, सेट [A] अवश्य लिखें।

7. सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में ही लिखें।

संस्कृतसाहित्यम्
संस्कृत साहित्य
(248)

परीक्षासमयावधिः — होरात्रयम्] [पूर्णाङ्काः — 100
परीक्षा का समय : तीन घंटे पूर्णाङ्क : 100

निर्देशाः — (i) अस्मिन् प्रश्नपत्रे [A] भागे 10, [B] भागे 10, [C] भागे 10, [D] भागे 5 इति आहत्य 35 प्रश्नाः सन्ति।
इस प्रश्न-पत्र में [A] भाग में 10, [B] भाग में 10, [C] भाग में 10, [D] भाग में 5—कुल मिलाकर 35 प्रश्न हैं।

(ii) प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति एवम् अङ्कान् निर्दिशति।
प्रश्न के दाहिने तरफ संख्या (अङ्क × प्रश्न = पूर्णाङ्क) का निर्देश है।

(iii) **सर्वे** प्रश्नाः अनिवार्याः।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

[A] दशानां युक्तं विकल्पं चिनुत— 1×10=10
दस के उचित विकल्प चुनिए :

1. अमरशक्तिः कस्य नगरस्य राजा आसीत्?
   (क) उज्जयिन्याः (ख) वाराणस्याः
   (ग) महिलारोप्यस्य (घ) चन्द्रपुरस्य

   अमरशक्ति किस नगर का राजा था?
   (क) उज्जैन का (ख) वाराणसी का
   (ग) महिलारोप्य का (घ) चन्द्रपुर का

2. ''सर्वस्यौषधमस्ति शास्त्रविहितं मूर्खस्य नास्त्यौषधम्''—इत्यत्र किं छन्दः?
   (क) मालिनी (ख) शार्दूलविक्रीडितम्
   (ग) उपजातिः (घ) वसन्ततिलकम्

   ''सर्वस्यौषधमस्ति शास्त्रविहितं मूर्खस्य नास्त्यौषधम्''—यहाँ कौन-सा छंद है?
   (क) मालिनी (ख) शार्दूलविक्रीडित
   (ग) उपजाति (घ) वसन्ततिलक

3. ''शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्''—कस्य मतम्?

(क) भट्टतौतस्य (ख) भामहस्य

(ग) वामनस्य (घ) अभिनवगुप्तस्य

''शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्''—किसका मत है?

(क) भट्टतौत का (ख) भामह का

(ग) वामन का (घ) अभिनवगुप्त का

4. करुणरसस्य देवता का?

(क) यमः (ख) महाकालः

(ग) नारायणः (घ) रुद्रः

करुण रस का देवता कौन है?

(क) यम (ख) महाकाल

(ग) नारायण (घ) रुद्र

5. यतिः कतिविधा?

(क) द्विविधा (ख) त्रिविधा

(ग) चतुर्विधा (घ) पञ्चविधा

यति कितने प्रकार की होती है?

(क) दो (ख) तीन

(ग) चार (घ) पाँच

6. ''चित्तस्य विस्ताररूपं दीप्तत्वमुच्यते''—कस्य लक्षणमिदम्?

(क) माधुर्यस्य (ख) ओजसः

(ग) प्रसादस्य (घ) भयानकस्य

''चित्तस्य विस्ताररूपं दीप्तत्वमुच्यते''—यह किसका लक्षण है?

(क) माधुर्य का (ख) ओज का

(ग) प्रसाद का (घ) भयानक का

7. हनुमता महात्मा इत्यनेन कः सम्बोधितः?

(क) रामः (ख) लक्ष्मणः

(ग) सुग्रीवः (घ) बाली

हनुमान ने महात्मा कहकर किसे संबोधित किया?

(क) राम (ख) लक्ष्मण

(ग) सुग्रीव (घ) बाली

8. ''राज्यार्हावमरप्रख्यौ कथं देशमिहागतौ'' इति कस्योक्तिः?

(क) रामस्य (ख) लक्ष्मणस्य

(ग) हनुमतः (घ) सुग्रीवस्य

''राजसिंहासन के योग्य, अमर (युवा) आभा से युक्त, इस देश में कैसे आए हो''—यह कथन किसका है?

(क) राम का (ख) लक्ष्मण का

(ग) हनुमान का (घ) सुग्रीव का

9. कर्णभारनाटकस्य मङ्गलश्लोके कस्य स्तुतिः विहिता?

(क) नृसिंहस्य (ख) महेश्वरस्य

(ग) ब्रह्मणः (घ) गजाननस्य

कर्णभार नाटक के मंगल श्लोक में किसकी स्तुति की गई है?

(क) नृसिंह की (ख) महेश्वर की

(ग) ब्रह्मण की (घ) गजानन की

10. उपायः कतिविधः?

(क) द्विविधः (ख) त्रिविधः

(ग) चतुर्विधः (घ) पञ्चविधः

उपाय कितने प्रकार के होते हैं?

(क) दो (ख) तीन

(ग) चार (घ) पाँच

[B] दशानां यथानिर्देशम् उत्तराणि लिखत— 2×10=20

दस के यथानिर्दिष्ट उत्तर लिखिए :

11. स्वल्पज्ञानी स्वात्मानं किं मन्यते? तस्य अहङ्कारः कथं व्यपगच्छति? 1+1=2

अल्पज्ञानी (कम जाननेवाला) अपने आपको क्या मानता है? उसका अहंकार कैसे मिटता है?

12. ''पुरः पत्युः कामात् श्वशुरमियमालिङ्गति सती''—इत्यत्र पतिः कः? श्वशुरश्च कः? 1+1=2

''काम के कारण ये सती स्त्री पति के सामने श्वसुर का आलिंगन करती है''—यहाँ पति कौन है और श्वसुर कौन है?

13. कुत्र अल्पधीराप श्लाघ्यः? कुत्र एरण्डः द्रुमायते? 1+1=2

अल्पबुद्धि वाले की प्रशंसा कहाँ होती है? अरण्डी (एरण्ड) के पेड़ कहाँ फूलते हैं?

14. कोऽनङ्गरतिपतिः इति वेतालपञ्चविंशतिकथायां तृतीयविज्ञानिनः नाम वैशिष्ट्यं च लिखत। 1+1=2

अनङ्गरतिपति कौन था? 'वेतालपञ्चविंशति' कहानी के तीसरे वैज्ञानिक का नाम और विशेषताएँ लिखिए।

15. आलङ्कारिकनये वृत्तयः कतिविधाः? काश्च ताः? 1+1=2

आलंकारिक विधि में वृत्ति कितने प्रकार की होती है? और वे कौन-कौन सी हैं?

16. सुग्रीवः कः? स किमर्थं जगद् भ्रमति? 1+1=2

सुग्रीव कौन है? वह किसलिए दुनिया की यात्रा करते हैं?

17. हनुमान् कस्य पुत्रः? स कस्मात् पर्वतात् पुप्लुवे? 1+1=2

हनुमान किसके पुत्र हैं? वह किस पर्वत से आए हैं?

18. कर्णस्य गुरुः कः? स कान् अस्त्रविद्यां शिक्षयति? 1+1=2

कर्ण के गुरु कौन हैं? वह किसे अस्त्रविद्या की शिक्षा देते हैं?

19. द्रौपदी कं प्रति कीदृशीं वाचं व्याजहार? 1+1=2

द्रौपदी ने किसके प्रति और किस प्रकार के वचनों का प्रयोग किया?

20. अधिक्षेपशब्दस्यार्थः कः? युधिष्ठिरस्य समीपे अधिक्षेपः कः आसीत्? 1+1=2

'अधिक्षेप' शब्द का क्या अर्थ है? युधिष्ठिर के समीप अधिक्षेप कौन था?

[C] दश अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त— 4×10=40

दस के लघु उत्तर दीजिए :

21. वाग्भूषणस्य माहात्म्यं यथाग्रन्थं लिखत।

ग्रंथ के अनुसार वाणी के अलंकार का महत्त्व लिखिए।

22. ''अरावप्युचितं कार्यमातिथ्यं गृहमागते।
छेत्तुः पार्श्वगताच्छायां नोपसंहरते द्रुमः।।''

इति श्लोकं व्याख्यात।

''घर आए हुए शत्रुओं का भी यथोचित सत्कार करना चाहिए। वृक्ष की शाखाएँ पेड़ काटने वाले की तरफ से भी छाया नहीं हटातीं।''

—व्याख्या कीजिए।

23. ''न तस्यादिर्न तस्यान्तो मध्ये यस्तस्य तिष्ठति।
तवाप्यस्ति ममाप्यस्ति यदि जानासि तद् वद।।''

इति प्रहेलिकां समाधत्त।

''उसका न आदि है और न अंत, और वह बीच में स्थित है। वह आपके पास है और मेरे पास है, और यदि आप इसे जानते हैं, तो बताएँ।''

इस पहेली का समाधान कीजिए।

24. 'विषाङ्गनावृत्तमि'ति कथाधारेण दुःखकारणानि लिखत।

'विषाङ्गनावृत्तम्' कहानी के आधार पर दुख के कारणों को लिखिए।

25. काव्यमीमांसादिशा कवेर्भेदान् लिखत।

काव्यमीमांसा के आधार पर कवियों के भेद लिखिए।

26. ''संस्कारक्रमसम्पन्नामद्भुतामविलम्बिताम्।
उच्चारयति कल्याणीं वाचं हृदयहर्षिणीम्।।''

इति श्लोकं व्याख्यात।

''उनके द्वारा संपन्न संस्कारों (अनुष्ठानों) का क्रम अद्भुत और अविच्छिन्न था। उन्होंने हृदय को प्रसन्न करने वाले मंगल वचन कहे।''

—व्याख्या कीजिए।

27. ''नूनं व्याकरणं कृत्स्नमनेन बहुधा श्रुतम्।
बहु व्याहरतानेन न किञ्चिदपभाषितम्।।''

इति श्लोकं व्याख्यात।

''(हनुमान ने) निश्चित रूप से पूरे व्याकरण को अनेक बार मन से (ध्यान से) सुना है, (उन्होंने) अनेक बार कई शब्द (बातें) कहे लेकिन कभी भी अपशब्द (अशुद्ध शब्द) नहीं कहे।''

—व्याख्या कीजिए।

28. नान्दी, आमुखम् चेति द्वयोर्विषये टीका लेख्या।
नान्दी और आमुख दोनों विषय पर टीका लिखिए।

29. दुर्योधनस्य सैनिकाः कीदृशाः इति किरातार्जुनीयश्लोकमाश्रित्य व्याख्यात।
किरातार्जुनीय श्लोक के आधार पर दुर्योधन के सैनिक कैसे थे, व्याख्या कीजिए।

30. ''निरत्ययं साम न दानवर्जितं न भूरि दानं विरहय्य सत्क्रियाम्।
प्रवर्तते तस्य विशेषशालिनी गुणानुरोधेन विना न सत्क्रिया।।''
इति श्लोकं व्याख्यात।

''उसकी बाधारहित सामनीति दान के बिना, उसका प्रचुर दान सत्कार के बिना और विशेषरूप से सुशोभित होने वाला उसका सत्कार गुणों का विचार किए बिना प्रवृत्त नहीं होता।''
—व्याख्या कीजिए।

[D] पञ्च दीर्घोत्तरैः समाधेयाः — 6×5=30
पाँच के दीर्घ उत्तर दीजिए :

31. 'को मे भर्ता' इति कथाधारेण मन्दारवत्याः कः स्वामी इति विचारयत।
'को मे भर्ता'—इस कहानी के आधार पर मन्दारवती का स्वामी कौन है, विचार कीजिए।

32. गुणस्वरूपं विलिख्य तद्भेदान् वर्णयत।
गुणों के स्वरूप लिखिए और उनके भेदों का वर्णन कीजिए।

33. रामलक्ष्मणयोः समीपे स्वविषये सुग्रीवविषये च हनुमता किं किं व्याहृतमिति स्वभाषया लिखत।
राम-लक्ष्मण के समीप अपने और सुग्रीव के विषय में हनुमान ने क्या-क्या कहा? अपने शब्दों (भाषा) में लिखिए।

34. कर्णस्य परितापं स्वभाषया वर्णयत।
कर्ण के परिताप का वर्णन अपनी भाषा में कीजिए।

35. युधिष्ठिरद्रौपद्योः वार्तालापं स्वभाषया लिखत।
युधिष्ठिर और द्रौपदी के बीच हुए संवाद को अपनी भाषा में लिखिए।

★★★